THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. SAROJINI MAHISHI) : Due to limitation for resources and strict order of priorities no schemes have been formulated in the Central Sector for the development of tourist facilities in and around Kota.

Air Flights connecting regional Capitals with Delhi

2633. SHRI BRIJ RAJ SINGH-KOTAH : Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state :

(a) whether Government are aware that at present there is no proper air-link of important regional capitals like Trivandrum, Bangalore and Bhubaneswar with Delhi ; and

(b) whether Government have any plans to remove the difficulty of passengers who want to save time ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. SAROJINI MAHISHI) : (a) and (b). Same-day connections, both ways, are available between (1) Delhi and Bhubaneswar ; and (2) Delhi and Bangalore. There is a same day connection from Trivandrum to Delhi but not in the reverse direction. Indian Airlines have plans to provide this from the winter of 71.

Booking done by Indian Airlines on Bombay-Cochin and Cochin-Bombay Sectors

2634. SHRI VAYALAR RAVI : Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state :

(a) the total number of bookings done by Indian Airlines on Bombay-Cochin and Cochin-Bombay Sector since January, 1970 ; and

(b) how far the Indian-Airlines has met with the demands of passengers ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. SAROJINI MAHISHI) : (a) and (b). Indian Airlines carried 26,880 passengers from Cochin to Bombay and 25,767 from Bombay to Cochin during the period January, 1970 to May, 1971. However, capacity fell short of the requirements.

12.00 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

REPORTED HEAVY FLOODS IN THE GANGES, ALAKNANDA, TEESTA AND THE RIVERS OF ASSAM

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : मैं अविलम्बनीय लोक महत्व के निम्नलिखित विषय की ओर सिंचाई और विद्युत मंत्री का ध्यान दिलाता हूँ और प्रार्थना करता हूँ कि वह इस बारे में एक वक्तव्य दें :

"बिहार में गंगा नदी में, उत्तर प्रदेश मे अलकनन्दा नदी में, पश्चिम बंगाल के कूच बिहार और जलपाईगुड़ी जिलों में तीस्ता नदी में तथा असम में कुछ नदियों मे कथित भारी बाढ़ आ जाने से उत्पन्न स्थिति ।"

सिंचाई और विद्युत मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री बैजनाथ कुरील) : दक्षिण पश्चिमी मानसून असम में 29 मई को, उत्तर बंगाल में 31 मई को, बिहार में 3 जून को, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 6 जून को और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 8 जून को आगे बढ़ा । 16 जून तक मानसून वृष्टि उत्तर बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश में अधिक थी और असम में कम थी । इस अवधि के दौरान रिकार्ड की गई भारी वृष्टि इस प्रकार थी—असम में पस्सीघाट में 9 जून और 10 जून को 13 सेन्टीमीटर, डिब्रुगढ़ में 9 जून को 10 सेन्टीमीटर और जोरहाट में 15 जून को 14 सेन्टीमीटर, उत्तर बंगाल में बागडोगरा में 11 तथा 12 जून को 18 सेन्टीमीटर, जलपाईगुड़ी में 12 या 13 जून को 19 सेन्टीमीटर और कूच बिहार में 15 जून को 22 सेन्टीमीटर, उत्तर प्रदेश के जोशीमठ में 12 तथा 14 जून को क्रमशः 8 सेन्टीमीटर तथा 6 सेन्टीमीटर और धारचूला में 14 जून को 27 सेन्टीमीटर ।